हिन्दी

पाठ 5 मिठाईवाला

प्रश्न उत्तर?

प्रश्न 1. मिठाईवाला अलग–अलग चीजें क्यों बेचता था और वह महीनों बाद क्यों आता था?

उत्तर – मिठाई वाला बच्चों का मन बहलाने के लिए उनकी पसंद की अलग–अलग चीजें बेचता था और वह महीनों बाद इसलिए आता था क्योंकि उसे सभी बच्चों के लिए अलग–अलग चीजें बनाने में समय लगता था। इससे बच्चों में उत्सुकता बनी रहती थी।

प्रश्न 2. मिठाई वाले में कौन से गुण थे जिनकी वजह से बच्चे तो बच्चे बड़े भी उसकी ओर खिंचे चले आते थे?

उत्तर – मिठाईवाला मधुर आवाज में गा – गाकर अपनी चीजों की विशेषताएं बताना, बच्चों की मनपसंद की चीजें लाना, कम दामों में बेच ना, बच्चों से अपना तो दर्शना आदि ऐसी विशेषताएं थी बच्चे तो बच्चे बड़े भी उसकी ओर खिंचे चले आते थे।

प्रश्न 3 विजय बाबू एक ग्राहक थे और मुरली वाला एक विक्रेता दोनों अपनी–अपनी पक्ष के समर्थन में क्या तर्क पेश करते हैं?

उत्तर – विजय बाबू एक ग्राहक थे मैं मुरली वाले से मुरली के दाम पूछते हैं मुरली वाला कहता है सबको तीन पैसे में देता हूं परंतु आपको तो पैसे मैं दूंगा विजय बाबू उसकी बात पर विश्वास न करते हुए कहते हैं कि मुझे तो पैसों में देकर एहसान करना चाहते हो उनके इन शब्दों से प्रसन्न होकर मुरली वाला कहता है। कि चाहे विक्रेता अपना सामान आनी उठाकर बेचे अगर आपको लगता है कि दुकानदारों उसे ठग रहा है।

प्रश्न 4 खिलौने वाले के आने पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती है?

उत्तर ═ खिलौने वाले के आने पर बच्चे खुष हो जाते थे। बच्चों का झुंड खिलौने वाले को चारों तरफ से घेर लेता था वह पैसे लेकर खिलौने का मूल भाव करने लगते थे रोने पाकर बच्चे खुशी से उछलने कूदने लगते थे।

प्रश्न 5 रोहिणी को मुरली वाले के स्वर से खिलौने वाले का स्मरण क्यों हो आया।

उत्तर – रोहिणी को मुरली वाले के सर से खिलौने वाले का स्मरण इसलिए हो आया क्योंकि खिलौने वाले की तरह ही इसकी आवाज जानी पहचानी थी खिलौने वाला भी इसी प्रकार मधुर स्वर में गाकर खिलौने बेचा करता था मुरली वाला ठीक उसी तरह ही मीठे स्वर में जाकर मुरलियाँ बेचा करता था।

SUCHI MEHROTRA

Scanned with CamScanner

प्रश्न 6 किसकी बात सुनकर मिठाईवाला भावुक हो गया था उसने इन व्यवसायियों को अपनाने का क्या कारण बताया?

उत्तर – रोहिणी की बात सुनकर मिठाईवाला भावुक हो गया था। उसने अपना दुखड़ा रोहिणी को बताया उसने कहा कि उसकी भी दो छोटे छोटे प्यारे बच्चे थे। जो अब नहीं है इन व्यवसायों को अपनाने से उसे बच्चों का सान्निध्य मिलता था। कभी–कभी इन बच्चों में उसे अपने बच्चों की झलक सी मिल जाती थी। उसे पैसों की कोई कमी नहीं थी फिर भी इन व्यवसाय को वह छोड़ना नहीं चाहता था, क्योंकि ऐसा करने से उसे बच्चों का सान्निध्य नहीं मिलता था।

प्रश्न 7 अब इस बार ये पैसे ना लूंगा कहानी के अंत में मिठाई वाले ने ऐसा क्यों कहा।

उत्तर – ईश्वर ये पैसे ना लूंगा कहानी के अंत में मिठाई वाले ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि जिस आपने संतोष के लिए यह व्यवसाय कर रहा था वह से चुन्नू मुन्नू को देखकर हुआ।

Scanned with CamScanner